vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- ith;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k Z % 16 vad % 22 y[kuÅ] jfookj 14 fl rEcj 2025 l 20 fl rEcj 2025 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

भूपेन हजारिका की जयंती पर PM मोदी बोले, उनका संगीत एक भारत–श्रेष्ठ भारत की पहचान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुवाहाटी में भारत रत्न ड . भूपेन हजारिका की १००वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में शामिल हुए। मोदी ने ड . भूपेन हजारिका की १००वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लेते हुए उनके सम्मान में 'स्मारक सिक्का और डाक टिकट' जारी किया। वहीं, अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज का दिन अद्भुत है और ये पल अनमोल हैं। जो दृश्य यहां मैंने देखा, जो उत्साह और तालमेल मुझे दिखा, भूपेन संगीत की जो ली दिखी, अगर मैं भूपेन दा के शब्दों में ही कहूं, तो मन में बार–बार आ रहा था – 'समय ओ धीरे चलो, समय ओ धीरे चलो।' नरेंद्र मोदी ने कहा कि अभी कुछ दिन पूर्व ही ८ सितंबर को भूपेन हजारिका जी का जन्मदिवस बीता है। उस दिन मैंने भूपेन दा को समर्पित एक लेख में अपनी भावनाएं व्यक्त की थी। मेरा सौभाग्य है कि उनके जन्मशताब्दी वर्ष के इस आयोजन में मुझे हिस्सा लेने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि भूपेन दा ने ऐसी अमर रचनाएं रचीं। जो अपने स्वरों से भारत को जोड़ती रहीं। जो भारत की पीढ़ियों को झकझोरती रहीं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बहुत गर्व से भूपेन दा के जन्मशताब्दी वर्ष को सेलिब्रेट कर

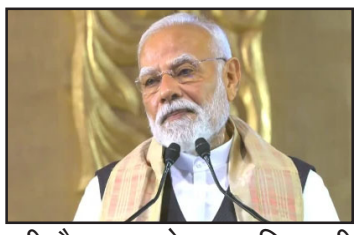

रही है। हम भूपेन हजारिका जी के गीतों को, उनके संदेशों को और उनकी जीवनयात्रा को घर–घर ले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भूपेन हजारिका जी ने जीवन पर्यंत संगीत की सेवा की। संगीत जब साधना बनता है, तो वो हमारी आत्मा को छूता है और संगीत जब संकल्प बनता है, तो वो समाज को नई दिशा दिखाने का माध्यम बन जाता है। भूपेन दा का संगीत इसलिए ही इतना विशेष था। उन्होंने जिन आदर्शों को जिया, जो अनुभव किया, वही अपने गीतों में भी गाया। हम उनके गीतों में मां भारती के लिए इतना प्रेम इसलिए देखते हैं, क्योंकि वो 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' की भावना को जीते थे। भूपेन हजारिका का संगीत 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को समाहित करता हैय वह भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में रचे–बसे थे। उन्होंने कहा कि भूपेन दा भारत की एकता और अखंडता के महान नायक थे। दशकों पहले, जब न र्थ ईस्ट उपेक्षा का शिकार था, नॉर्थ ईस्ट को हिंसा और अलगाववाद की आग में जलने के लिए छोड़ दिया गया था। तब भूपेन दा उस मुश्किल समय में भी भारत की एकता को ही आवाज देते रहे। मोदी ने कहा कि जब हम कनेक्टिविटी की बात करते हैं, तो लोगों को अक्सर रेल, रोड या एयर कनेक्टिविटी की याद आती है। लेकिन, देश की एकता के लिए एक और कनेक्टिविटी की जरूरत है,वो है कल्चरल कनेक्टिविटी। उन्होंने कहा कि बीते ११ वर्षों में देश ने नार्थ ईस्ट के विकास के साथ साथ कल्चरल कनेक्टिविटी को भी बड़ी अहमियत दी है। ये एक अभियान है, जो अनवरत जारी है।

लखनऊ हवाई अड्डे पर सामान में कारतूस मिलने के बाद युवक गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय (सीसीएक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हवाई अड्डे पर एक सुपरवाइजर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, इरफान अहमद नामक एक यात्री के बैग से आठ मिमी का एक कारतूस मिला। बयान में कहा गया है, २७ वर्षीय अहमद प्रयागराज जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के मलिकपुर गांव का निवासी है। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर इरफान अहमद को गिरफ्तार कर लिया।एसआई) हवाई अड्डे पर एक युवक के सामान में शनिवार तड़के एक कारतूस मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

क्या केंद्र का वक्फ कानून सही है? १५ सितंबर को आएगा फैसला, CJI की पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, २०२५ की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह में अंतरिम राहत के मुद्दे पर अपना आदेश सुनाने वाला है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति अ गस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर २२ मई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट की कार्यसूची के अनुसार, सीजेआई सोमवार, १५ सितंबर को सुबह १०.३० बजे वक्फ संशोधन अधिनियम, २०२५ के रूप में पंजीकृत मामले में आदेश सुनाएंगे। अदालत ने तीन दिनों तक दलीलें सुनीं, जिसमें केंद्र ने तर्क दिया कि संसद द्वारा विधिवत पारित कानून के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के लिए केवल कानूनी प्रस्ताव या काल्पनिक तर्क पर्याप्त नहीं हैं। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दावा किया कि वक्फ प्रबंधन ने

स्मारकों का दुरुपयोग किया है, दुकानों के लिए कमरे बनाए हैं और अनधिकृत परिवर्तन किए हैं। केंद्र ने पहले आश्वासन दिया था कि किसी भी वक्फ संपत्ति, जिसमें उपयोगकर्ता द्वारा स्थापित संपत्तियां भी शामिल हैं, को गैर–अधिसूचित नहीं किया जाएगा। उसने यह भी कहा था कि २०२५ के अधिनियम के तहत केंद्रीय वक्फ परिषद या राज्य वक्फ बोर्डों में गैर–मुस्लिमों की नियुक्ति नहीं की जाएगी। ५ अप्रैल को केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने संशोधित वक्फ अधिनियम, २०२५ का बचाव करते हुए एक प्रारंभिक हलफनामा दायर किया। केंद्र ने संसद द्वारा पारित संवैधानिकता की धारणा वाले किसी भी कानून पर अदालत द्वारा किसी भी तरह की पूर्ण रोक लगाने का विरोध किया था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि इस मामले में केवल पाँच याचिकाओं को ही मुख्य याचिका माना जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि अन्य रिट याचिकाओं को हस्तक्षेप याचिका माना जाएगा। २०२५ अधिनियम के खिलाफ १०० से ज्यादा याचिकाएँ दायर की गई थीं।

मॉरीशस के PM नवीनचंद्र रामगुलाम ने अयोध्या में राम मंदिर में किए दर्शन, CM Yogi भी रहे मौजूद

लखनऊ। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा–अर्चना की। उनके साथ यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इससे पहले, अयोध्या आगमन पर प्रधानमंत्री रामगुलाम का पारंपरिक और गर्मजोशी से स्वागत किया गया। शहर म रीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत में पोस्टरों से सजा हुआ है। इससे पहले, भारत की राजकीय यात्रा पर आए प्रधानमंत्री रामगुलाम ने वाराणसी में ऐतिहासिक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए। म रीशस के प्रधानमंत्री की यात्रा पर, अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर ने कहा कि इस हाई–प्रोफाइल यात्रा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियाँ की गई हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या जिले में व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने गहन स्थल निरीक्षण किया है और सभी आवश्यक

व्यवस्थाएँ पूरी कर ली हैं। यात्रा के लिए आवश्यक बाहरी अधिकारियों और सुरक्षा बलों की व्यवस्था कर ली गई है। उन्होंने आगे कहा कि वीआईपी के हवाई अड्डे पर आगमन से लेकर उनके प्रस्थान तक, पूरे कार्यक्रम की योजना मिनट–दर–मिनट बनाई गई है। गुरुवार को, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री रामगुलाम के साथ दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। अपनी बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने बुनियादी ढाँचे, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने की अपनी मंशा की पुष्टि की। ऐतिहासिक शहर वाराणसी में दोनों नेताओं के बीच हुई यह बैठक स्थायी सभ्यतागत जुड़ाव, आध्यात्मिक बंधनों और लोगों के बीच गहरे संबंधों को रेखांकित करती है, जिसने भारत और म रीशस के बीच विशेष और अनूठे संबंधों को आकार दिया है। यह यात्रा मार्च २०२५ में प्रधानमंत्री मोदी की म रीशस की राजकीय यात्रा से उत्पन्न सकारात्मक गति को और आगे बढ़ाती है, जिसके दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को श्उन्नत रणनीतिक साझेदारीश के स्तर तक पहुँचाया था। म रीशस के प्रधानमंत्री अपने वर्तमान कार्यकाल में ६ सितंबर से १६ सितंबर तक भारत की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा पर हैं। वह प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर भारत की राजकीय यात्रा पर हैं।

सम्पादकीय

गहरा रही शिकायतों को समझना राजनेताओं का लोकतांत्रिक कर्त्तव्य

नेपाल में हुईं भयानक घटनाओं के साथ भारत में सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ी है कि क्या ऐसा यहां भी हो सकता है? चूंकि अपने अधिकांश पड़ोसी देश– श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल– ऐसी उथल–पुथल से गुजर चुके हैं, तो निठल्ले चिंतन में यह सवाल भी उठाया गया है कि क्या अब भारत की बारी है। बेशक, ऐसे कयास फिलहाल दूर की कौड़ी हैं, मगर पास–पड़ोस की घटनाओं से अगर कुछ सबक छिपे हों, तो उनसे सीख लेना फायदेमंद ही रहता है। मसलन, तमाम पड़ोसी देशों में जो असंतोष पनपा, उसके पीछे में वहां की जनता से कटी राजनीतिक संसेंति एक बड़ा कारण रही है। नेपाल में नेताओं के बाल–बच्चों की सुख–सुविधा भरी जिंदगी लोगों– खासकर नौजवानों की आंख में चुभ रही थी। इसीलिए वहां सोशल मीडिया पर 'नेपो–किड्स' जैसे हैशटैग बेहद लोकप्रिय हुए। नेताओं और उनके परिजनों को उपलब्ध विलासिता और विशेषाधिकारों ने लोगों में आक्रोश भरा। इसका जब धमका हुआ, तो तमाम बड़े नाम और चेहरे उसकी लपटों में आ गए। नेताओं का एक अपना वर्ग बना जाना और उनकी जीवन शैली तथा आम जीवन स्तर के बीच खाई का लगातार चौड़ा होते जाना लोगों में प्रतिशोध की भावना भरता है। भारत का सौभाग्य है कि स्वतंत्रता के बाद यहां विकास एवं प्रगति के पैमानों पर बेहतर सफलताएं हासिल हुईं, जिससे यहां की राजनीतिक व्यवस्था में लोगों का भरोसा मजबूत बना रहा है। मगर समय–समय पर इसकी सीमाएं भी जाहिर हुई हैं। डेढ़ दशक पहले अन्ना आंदोलन के दौरान अपनी राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ लोगों का अविश्वास खुल कर सामने आया था। उसके बाद शासक समूहों ने अलग तरह के नैरेटिव से हालात को संभाले रखा है। मगर उससे निश्चिंत हो जाना सही नजरिया नहीं होगा। बेहतर यह होगा कि लोगों के मन में जो घट रहा होता है, शासक समूह उससे बेहतर संवाद बनाएं। गहरा रही शिकायतों को समझना वैसे भी राजनेताओं का लोकतांत्रिक कर्त्तव्य है। शिकायतों का निवारण राजनीतिक वर्ग का दायित्व है। वे जिम्मेदारी निभाएं, तो फिर समाज में अस्थिरता की नौबत ही क्यों आएगी! उल्लेखनीय है कि इलाज से बेहतर रोग की रोकथाम होता है।

यात्री से जेवर लूटने वाला गैंग गिरफ्तार

लखनऊ। संडीला जा रही महिला को कार में बैठाकर लूटपाट करने वाले गिरोह को मलिहाबाद पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से तमंचा, कारतूस, बांका, लूटे गए करीब पांच हजार रुपये और घटना में प्रयुक्त सफेद अर्टिगा बरामद की गई है। आस–पास की कार डीलरशिप एडीसीपी उत्तरी जितेंद्र दुबे ने बताया कि हरदोई के संडीला निवासी गीता कनौजिया ने १ सितंबर को एक महिला व दो पुरुषों के खिलाफ लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ३० अगस्त को दुबग्गा स्थित सीतापुर बाईपास पर सवारी का इंतजार कर रही थी। इस दौरान सफेद रंग की अर्टिगा कार आई। कार में दो पुरुष और एक महिला थी। चालक ने ५० रुपये में संडीला तक छोड़ने की बात कहकर बैठाया था। रास्ते में मारपीट कर १२ हजार रुपये, चेन, टॉप्स व मंगलसूत्र लूट लिए और १७ किलोमीटर दूर मलिहाबाद में गीता को कार से फेंककर भाग निकले थे। खुलासे के लिए सर्विलांस समेत तीन टीमों का गठन किया गया। एसीपी मलिहाबाद सुजीत दुबे ने बताया कि शनिवार सुबह इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी टीम के साथ मोहान तिराहे पर चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच सफेद रंग की अर्टिगा कार आती नजर आई। पुलिस ने कार को रोकने का प्रयास किया तो कार सवार भगाने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर कार सवारों को पकड़ लिया। आरोपियों की पहचान दुबग्गा के मोहन विहार कॉलोनी निवासी सतीश गुप्ता, ग्रेटर नोएडा दनकौर निवासी प्रेम कुमार वर्मा व दुबग्गा माधवपुर बेगरिया की रामरानी के रूप में हुई। एसीपी ने बताया कि आरोपी प्रेम कुमार वर्मा के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर में लूट, हत्या का प्रयास व आर्म्स एक्ट समेत चार मामले दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कार दुबग्गा निवासी वीरपाल सिंह की है। आरोपी सतीश ने वीरपाल को प्रति दिन एक हजार रुपया किराया देने की बात कहकर कार चलाने के ली थी। एसीपी ने बताया कि आरोपियों ने लूटे गए जेवर राहगीर को २० हजार में बेचे थे। आरोपियों ने कई वारदातों को अंजाम दिया है।

राष्ट्रहित और जनहित में लिया गया निर्णय है हमारी संस्कृतिः सीएम योगी

लखनऊ। हमारे जीवन की तीन स्थितियां होती हैं, जिसमें पहली प्रवृत्ति, दूसरी विकृति और तीसरी संस्कृति होती है। इसमें स्थिति का यथारूप रहना प्रवृत्ति है। इंसान परिवर्तन तो चाहता है, लेकिन परिवर्तन करने के लिए अपने आपको तैयार करने में हिचकता है। वहीं अगर कोई संस्थान या इंसान लगातार गिरावट की ओर जाता है तो यह विकृति होती है। इसी कड़ी में अगर एक व्यक्ति निर्णय लेता है। उसका निर्णय व्यापक जनहित और राष्ट्रहित में है, तो उसका निर्णय संस्कृति है। इसी संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान है। संस्थान ने महज १६ वर्षों में २० बेड से बढ़कर १,३७५ बेड का विस्तार किया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में कही। इस दौरान सीएम योगी ने २६८ करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण– शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और व्यक्ति की गति काल की गति है। हमें काल की गति से दो कदम आगे चलने के लिए तैयार रहना चाहिये। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति, समाज या देश काल की गति को पहचान नहीं पाता है, वह काल की चपेट में स्वयं आ जाता है क्योंकि काल की गति तो वही है, जिसके बारे में ड . श्याम नारायण पांडेय ने कहा था कि ये महाकाल का आसन है, इस पर किसी का शासन नहीं होता है। यदि कोई यह मन में बैठा ले कि मैं समय की गति को अवरुद्ध कर दूंगा, तो यह उसकी गलतफहमी होगी। ऐसे में हमें काल की गति से दो कदम आगे चलना होगा। अगर हम इस गति से चलेंगे तो प्रगति करेंगे, अगर नहीं चल पा रहे हैं, हम अपने को केवल समय के अनुरूप लेकर के जा रहे हैं, तो फिर हमें यथास्थितिवादी के रूप में लोग मानेंगे। हम कब आए, कब गए किसी को पता नहीं होगा। वहीं अगर हमारे कारण संस्थान को नुकसान हो रहा है तो मानकर चलिए कि आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। काल की गति के मामले में संस्थान ने अच्छी प्रगति हासिल की है। यही वजह है कि संस्थान ने पांच वर्षों में प्रदेश के टॉप तीन चिकित्सा संस्थान में अपना नाम दर्ज कराया है। इसमें पहला केजीएमयू ११० वर्ष की अपनी आयु पूरी कर चुका है, दूसरा एसजीपीजीआई जो लगभग चार दशक पुराना है। वहीं लोहिया संस्थान ने काफी कम समय में एक लंबी छलांग लगाकर, प्रदेश के तीसरे टॉप चिकित्सा संस्थान में अपना नाम दर्ज कराया है। संस्थान की यह उपलब्धि दर्शाती है कि हमारी दिशा और लीडरशिप सही है। हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान कई भौतिक चुनौतियां आती हैं, लेकिन टीमवर्क होता है, कार्य करने का जज्बा होता है, तो वह लोगों के मन में एक नए उत्साह का संचार करता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोहिया संस्थान एक ऐसे स्थान पर स्थित है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश का मुहाना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश का हर पेशेंट सबसे पहले आरएमएल में आता है। इसके बाद केजीएमयू या एसजीपीजीआई की तरफ जाता है। उन्होंने कहा कि सबसे घनी आबादी पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल की है। ऐसे में यहां से लोग सबसे पहले आरएमएल की ओर अपना रूख करते हैं। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा में हुए सुधारों की दिशा में तीन प्रमुख संस्थानों का योगदान अत्यधिक सराहनीय रहा है। इन संस्थानों ने सम और विषम परिस्थितियों में कार्य करते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य और शिक्षा के नए मानक स्थापित किए हैं। यह सुधार खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान देखे गए, जब उत्तर प्रदेश को पहली बार ऐसी महामारी का सामना करना पड़ा। कोरोना के प्रारंभिक दिनों में उत्तर प्रदेश में कोविड की जांच की कोई सुविधा नहीं थी। जब पहला मरीज आगरा और नोएडा से आया, तो उनके सैंपल दिल्ली के प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स और सफदरजंग में भेजे गए थे। धीरे–धीरे प्रदेश में जांच की सुविधाएं विकसित की गईं और टेस्टिंग प्रक्रिया में सुधार हुआ। उस समय राज्य में ३६ जनपद ऐसे थे, जहां आईसीयू का एक भी बेड नहीं था और ट्रेंड मैनपावर की भारी कमी थी। इसके बावजूद प्रदेश ने नए मॉडल अपनाए, जैसे वर्चुअल आईसीयू। एसजीपीजीआई, केजीएमयू और आरएमएल अस्पतालों ने प्रदेश के ७५ जनपदों में वर्चुअल आईसीयू के माध्यम से मरीजों को बेहतर राहत देने के लिए प्रशिक्षित मैनपावर को भेजा। इन संस्थानों ने प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स की मदद से अन्य मेडिकल कॉलेजों और कोविड अस्पतालों को मार्गदर्शन प्रदान किया। इसी का परिणाम है कि प्रदेश ने टेक्नोल जी का उपयोग करके महामारी को मात देने का मॉडल दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान टेक्नाल जी का प्रयोग कर जिस तरह भीड़ को नियंत्रित किया गया, आज भी उसे अपनाकर अस्पतालों और संस्थानों में भीड़ को कम किया जा सकता है। टेली कंसल्टेशन की सुविधा दूर–दराज के क्षेत्रों में पीएचसी, सीएचसी और डिजिटल अस्पतालों में उपलब्ध कराकर मरीजों की स्क्रीनिंग को सही तरीके से पूरा किया जा सकता है। जब स्वास्थ्य की बात की जाती है, तो सुश्रुत और चरक जैसे भारतीय चिकित्सकों का उल्लेख नितांत आवश्यक है। भारत ने दुनिया को सर्वोत्तम चिकित्सक दिए हैं, जिनका योगदान बेमिसाल है। इन संस्थानों ने अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की दिशा तैयार की है। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में पिछले कई वर्षों में ५०,००० से अधिक बच्चों की मौत इंसेफेलाइटिस बीमारी से हुई थी, लेकिन टीमवर्क और जागरूकता के बाद बीमारी पर पूरी तरह से काबू पाया लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में हुए इस परिवर्तन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब सभी विभाग और संस्थान मिलकर काम करते हैं, तो सकारात्मक परिणाम आ सकते हैं। इन सुधारों का परिणाम यह हुआ कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में जहां पहले भय का माहौल था, अब उत्साह और उमंग का वातावरण है। सीएम ने कहा कि संस्थान में ५० करोड़ की गामा नाइफ मशीन और प्रदेश के पहले एडवांस्ड न्यूरो साइंसेज सेंटर का उद्घाटन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश के लोगों को अब ब्रेन ट्यूमर और अन्य मस्तिष्क संबंधित बीमारियों के इलाज में सहायता मिलेगी। उत्तर प्रदेश में मेडिकल डिवाइस और फार्मा पार्क के विकास की दिशा में भी सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। सीएम ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में मेडिकल डिवाइस पार्क और ललितपुर में फार्मा पार्क का कार्य जारी है। हम प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, जो आगे भी युद्धस्तर पर जारी रहेगा। इस अवसर पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, राज्य मंत्री मयंकेश्वरण शरण सिंह, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा, संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह, डीन प्रो. प्रद्युम्न सिंह, सीएमएस विक्रम सिंह आदि उपस्थित थे।

यूपीआईटीएस २०२५: इंडिया एक्सपो मार्ट में लगेगा विकास और निवेश का महाकुंभ'

लखनऊ। योगी सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश अब निवेश और औद्योगिक विकास का नया केंद्र बन चुका है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) २०२५ में भी इसकी एक झलक देखने को मिलेगी। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले इस मेगा शो के मास्टर एग्जिबिशन लेआउट के अनुसार प्रदेश के प्रॉयरिटी सेक्टर्स, राइजिंग सेक्टर्स और चौंपियन सर्विसेज सेक्टर्स को विशाल क्षेत्रफल अल ट किया गया है। मास्टर लेआउट के मुताबिक हॉल–१ से लेकर हॉल–८ तक और हॉल–१५ बी२बी गतिविधियों के लिए, जबकि हॉल–६, हॉल–१० और हॉल–१२ बी२सी के लिए अलॉट हैं। हॉल–११ और हॉल–१४ को बी२बी और बी२सी दोनों का हब बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने यूपीआईटीएस को न सिर्फ प्रदेश का, बल्कि देश का एक भविष्य निर्धारक निवेश मंच बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। निवेशकों, उद्यमियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को आकर्षित करने वाला यह आयोजन उत्तर प्रदेश को औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान देने वाला साबित होगा। मास्टर लेआउट के मुताबिक ग्राउंड फ्लोर पर हॉल–१ में यूपीसीडा और इन्वेस्ट यूपी को २,१५६ स्क्वायर मीटर क्षेत्र दिया गया है। हॉल–२ में जीनीडा, यीडा, सिविल एविएशन और रूस के पवेलियन के लिए २,४०० स्क्वायर मीटर जगह अलॉट हुई है। हॉल–५ को यूपीएलसी पवेलियन, स्टार्टअप्स, आईटीध्आईटीईएस और इलेक्ट्रिकल–इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के लिए १,६३० स्क्वायर मीटर क्षेत्र में सजाया जाएगा, जो प्रदेश के प्रॉयरिटी सेक्टर्स में शामिल है। वहीं, हॉल–७ को टूरिज्म विभाग, स्टेट वॉटर एवं सैनिटेशन मिशन, क्लीन ग्रुप और नोएडा अथॉरिटी के लिए २,००० स्क्वायर मीटर एरिया में बनाया गया है। इसे

चौंपियन सर्विसेज हॉल का दर्जा दिया गया है। प्रदेश की महत्वाकांक्षी योजना 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी)' के लिए हॉल–६ को ३,३०० स्क्वायर मीटर क्षेत्रफल में भव्य प्रदर्शनी स्थल बनाया जाएगा। हॉल–१० नए वेंचर्स और महिला उद्यमियों के लिए समर्पित है, जिसे ३,३०० स्क्वायर मीटर जगह मिली है। हॉल–११ में यूपीएसआरएलएम, जीआई प्रोडक्ट्स, एफएसडीए (फूड), एफएमसीजी, फिशरीज और एनीमल हस्बैंड्री सेक्टर्स के स्टॉल्स ३,३०० स्क्वायर मीटर क्षेत्र में लगेंगे। ये तीनों हॉल (६, १० और ११) को राइजिंग सेक्टर के रूप में मान्यता दी गई है। हॉल–१२ में ंषि एवं संबद्ध उद्योग, डेयरी, हॉर्टीकल्चर और गन्ना–चीनी सेक्टर को ३,३०० स्क्वायर मीटर में प्रदर्शित किया जाएगा। हॉल–१४ को टाउन ऑफ एक्सीलेंस एक्सपोर्ट्स (हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम, टेक्सटाइल और खादी) के लिए ३,३०० स्क्वायर मीटर जगह मिली है। हॉल–१५ में इन सेक्टर्स के अलावा वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक भी शामिल होंगे, यह भी ३,३०० स्क्वायर मीटर एरिया में होगा। इसी तरह, हॉल–१८ए को सीएम युवा और हॉल–१८बी को क्रेडाई (रीयल एस्टेट) तथा ट्रांसपोर्ट (अ टोध्ईवी) के लिए अलॉट किया गया है। सेकेंड फ्लोर पर भी व्यापक आयोजन होंगे। हॉल–२ को इन गरेशन, बी२बी मीटिंग्स, प्लीनरी सेशन और नॉलेज सेशन के लिए २,००० स्क्वायर मीटर क्षेत्र दिया गया है। हॉल–४ में 'यूपी एट ए ग्लांस' का प्रदर्शन होगा, जबकि ह ल–६ को २,००० स्क्वायर मीटर में रिन्यूएबल एनर्जी, सोलर एनर्जी, प वर, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और अर्बन डेवलपमेंट के लिए तैयार किया गया है। हॉल–८ में एफएसडीए (ड्रग्स), आयुष, स्वास्थ्य और अस्पताल, उच्च शिक्षा, यूपीएसडीएम, बैंक और फाइनेंस, वन विभाग तथा सिंचाई विभाग को २,०३२ स्क्वायर मीटर जगह मिली है। इसी तल पर सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी एरिया तय किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा में लगे चिकित्सकों को किया सम्मानित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोहिया संस्थान के मरीजों को कई सौगातें दिया। प्रदेश की पहली गामा नाइफ मशीन स्थापित करने के लिए शिलान्यास किया। एडवांस न्यूरो साइंस सेंटर की बिल्डिंग की भी शुरुआत किया। इसके अलावा कई योजनाओं का शुभारंभ किया और उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा में लगे चिकित्सकों को सम्मानित भी किया। शनिवार को गोमतीनगर स्थित इंदिरागांध ी प्रतिष्ठान में लोहिया संस्थान का पांचवा स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रहे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह अतिविशिष्ट अतिथि है।

आलमबाग में दोनों बच्चों के अपहरण मामले में पुलिस को मिली बड़ी सफलता दोनों बच्चों को सकुशल किया गया बरामद

लखनऊ। आलमबाग में दोनों बच्चों के अपहरण मामले में पुलिस को मिली बड़ी सफलता दोनों बच्चों को सकुशल किया गया बरामद. २४ घंटे के भीतर क्ब्ब मध्य आशीष श्रीवास्तव के निर्देशन में पुलिस टीम को बड़ी सफलता मिली. आलमबाग स्थित बीजी कॉलोनी के पास से कक्षा–८ के छात्र अर्जुन

सिंह और कक्षा–४ के छात्र प्रद्युमन यादव को अगवा करने वाला आरोपी विजय कुमार शार्ट कट से रुपये कमाना चाहता था। वह फिरौती की रकम से चप्पल का कारखाना शुरु करना चाहता था। कारखाना खोलने के लिए दोस्त से बात भी हुई थी। पुलिस आरोपी के दोस्त की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी के बयान की पुष्टि करने के लिए पुलिस सर्विलांस और सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। आरोपी विजय को शनिवार को जेल भेज दिया गया। मवैया पटेलनगर निवासी आरोपी विजय ने पुलिस को बताया कि वह चार दोस्तों के साथ पुणे में छोटी–मोटी नौकरी करता था। काम सही न होने पर दोनों के बीच चप्पल का कारखाना शुरु करने की बात तय हुई। इसके बाद विजय घरवालों को बिना बताए १० सितंबर की रात लखनऊ आ गया था। यहां वह बीजी कॉलोनी में किराए पर रहने वाले शंकर के घर पहुंचा, लेकिन वह नहीं मिला। एक दिन उसने प्रेमनगर में काटा। आरोपी बीजी कालोनी में ज्यादातर लोगों को जानता था, इसलिए छात्र अर्जुन से कहा था कि अपने भाई को बुला लो। अर्जुन ने भाई की जगह प्रद्युमन को बुला लिया था। विजय ने अर्जुन के भाई को देखा नहीं था। बिना पूछे दोनों को स्टिंग पीने पर ५० हजार रुपये इनाम के टॉस्क का झांसा देकर फंसा कर ले गया। बाद में पता चला तो उसने दस–दस लाख रुपये की फिरौती मांगी। इंस्पेक्टर आलमबाग सुभाष चंद्र सरोज ने बताया कि बच्चों ने रात में विरोध ा किया तो विजय ने उन्हें डांटा था। फिलहाल विजय के दोस्त के बारे में जानकारी करने के लिए दो टीमें लगाई गई हैं। साथ ही बीजी कालोनी वाले दोस्त शंकर की जानकारी जुटाई जा रही है। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी विजय बहुत शातिर है। कैसरबाग में बस पर बच्चों को लेकर जाने के बाद हरगांव पहुंचा। वहां एक ट्रक चालक से लिफ्ट मांगी। फिर ट्रक चालक से कॉल के बहाने मोबाइल लिया। सिम बदलकर व्हाट्सएप एक्टिव कर फिरौती का मैसेज भेज दिया था। पुलिस ने लोकेशन खंगाली तो हरिद्वार की मिली। पता चला कि नंबर किसी रामकिशन का है। पुलिस ने उससे संपर्क किया तो पता चला कि एक लड़के ने कॉल के लिए मोबाइल लिया था। बीजी कालोनी निवासी अर्जुन सिंह और प्रद्युमन यादव को गुरुवार दोपहर को एक बदमाश ने स्टिंग पीने का टास्क देकर अपहरण कर लिया था। बदमाश अर्जुन की साइकिल चलाते हुए दोनों को अपने साथ ले गया। शुक्रवार सुबह अपहरणकर्ता ने फिरौती मांगी, जिसके बाद उसकी लोकेशन लखीमपुर के गोला में ट्रेस की गई। इसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से मवैया निवासी आरोपी विजय को गिरफ्तार कर दोनों बच्चों को बरामद किया गया था।

पुलिस कर्मियों पर दर्ज डकैती के मामले की केस डायरी गायब

लखनऊ। मड़ियांव थाने में पूर्व आईपीएस हबीबुल हसन, एसओ मड़ियांव समेत नौ पुलिसकर्मियों पर जून २००६ में दर्ज डकैती व एससी–एसटी मामले की केस डायरी गायब हो गई। केस डायरी को क्षेत्राधिकारी अलीगंज कार्यालय में २०१८ में दाखिल कराया गया था। इसके बाद से कोई पता नहीं चला। कोर्ट की फटकार के बाद इंस्पेक्टर मड़ियांव ने इस मामले में हेड कांस्टेबल राजेंद्र कुमार और कांस्टेबल प्रदीप मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोर्ट के आदेश पर १६ जून २००६ को मड़ियांव थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। कोर्ट ने ये आदेश मड़ियांव के सुल्तानपुर गांव निवासी विट्टा देवी की याचिका पर दिया था। विट्टा देवी की तहरीर के मुताबिक १२/१३ जून २००५ रात १:३० बजे तत्कालीन क्षेत्राधिकारी हबीबुल हसन, एसओ मड़ियांव, एसआई डीएन सिंह, एसआई सुरेश कुमार सिंह, जीप चालक, थाने में तैनात मिश्रा सिपाही, दो दीवान सादी वर्दी व ठाकुर हरेंद्र सिंह उनके घर पहुंचे। सभी ने घर में तोड़फोड़ कर लाखों रुपये का सामान लूट लिया। पीड़िता का आरोप था कि थाने से लेकर पुलिस के उच्चाधि ाकारियों तक से एफआईआर दर्ज कराने की गुहार लगाई लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर घटना के एक वर्ष बाद मड़ियांव थाने में क्षेत्राधिकारी अलीगंज हबीबुल हसन, एसओ मड़ियांव, एसआई डीएन सिंह, एसआई सुरेश कुमार सिंह, जीप चालक, थाने के मिश्रा सिपाही, दो दीवान सादी वर्दी और ठाकुर हरेंद्र सिंह के खिलाफ डकैती, हमला करने और एससी–एसटी के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले की विवेचना तत्कालीन एसपी ट्रांसगोमती को सौंपी गई। एफआईआर दर्ज करने के बाद पहला पर्चा १६ जून २००६ को काटा गया। इसके बाद जांच शुरू की गई। जांच अधिकारी ने करीब ८७ पर्चे काटे। जांच पूरी करने में अधि ाकारी को १०८ माह लग गया। इसके बाद ३० जून २०१५ को अंतिम रिपोर्ट लगा दी गई। जिसे थाने की जीडी में इंट्री कराया गया। कुछ दिनों बाद मामले में विधिक राय ली गई। फिर से ४० पर्चे पूरक के काटे गए। जांच पूरी करने के बाद अंतिम रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करने के लिए क्षेत्राधिकारी अलीगंज के कार्यालय में केस डायरी जमा कराई गई। वहां तैनात हेड कांस्टेबल सूर्य भान को १२ जुलाई २०१८ को केस डायरी रिसीव कराई गई। थाने की जीडी में रात ११ बजे केस डायरी को मड़ियांव थाने में तैनात हेड कांस्टेबल राजेंद्र कुमार को सुपुर्द करने की बात दर्ज की गई। इंस्पेक्टर मड़ियांव द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार थाने में तैनात हेड कांस्टेबल राजेंद्र कुमार ने बताया कि कोर्ट में अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कांस्टेबल प्रदीप मिश्रा को दिया गया है। परअंतिम रिपोर्ट के साथ केस डायरी कोर्ट तक नहीं पहुंची। जानकारी होने पर जांच कराई गई तो सामने आया कि केस डायरी मय अंतिम रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल ही नहीं की गई थी। पूर्व आईपीएस, एसओ मड़ियांव समेत ६ पुलिसकर्मियों पर दर्ज मामले की केस डायरी गायब हो गई। इसकी जानकारी होने के बाद थाने में तैनात जिम्मेदारों ने चुप्पी साध ली। कोर्ट की फटकार लगने के बाद इसकी तलाश शुरू की गई। जब केस डायरी नहीं मिली तो इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने हेड कांस्टेबल राजेंद्र कुमार और कांस्टेबल प्रदीप मिश्रा को आरोपी बनाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिजोरम में विकास और मणिपुर में विश्वास की नई पटरियाँ बिछाईं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मणिपुर और मिजोरम यात्राएँ केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं थीं, बल्कि इन्हें पूर्वोत्तर भारत के भविष्य की ष्टि से एक निर्णायक कदम माना जाना चाहिए। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर को करोड़ों रुपए के विकास की सौगात देकर प्रधानमंत्री ने राज्य को विकास की राह पर बढ़ने के लिए प्रेरित किया तो दूसरी ओर मिजोरम को पहली बार राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़कर नई आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोले। मणिपुर की बात करें तो मई २०२३ से चली आ रही जातीय हिंसा ने राज्य की सामाजिक संरचना को झकझोर दिया। हजारों लोग विस्थापित हुए, सैकड़ों ने अपनी जान गंवाई और विश्वास की दीवारें दरक गईं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री का राहत शिविरों तक पहुँचना और पीड़ित परिवारों से सीधे संवाद करना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि विश्वास बहाली की ठोस पहल है। जब देश का शीर्ष नेतृत्व प्रभावित समुदायों की आँखों में आँखें डालकर आश्वासन देता है, तो लोगों को भरोसा होता है कि सरकार उनके साथ खड़ी है। मोदी ने स्पष्ट कहा कि विकास की पहली शर्त शांति है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री के इस संदेश का असर संघर्षरत गुटों तक पहुँचना स्वाभाविक है। यदि संवाद और पुनर्वास की प्रक्रिया ईमानदारी से आगे बढ़ी तो मणिपुर में स्थायी

शांति की नींव रखी जा सकती है। निस्संदेह, इस यात्रा से लोगों का विश्वास सरकार पर बढ़ा है और उन्हें लगता है कि उनकी पीड़ा अब उपेक्षित नहीं रहेगी। दूसरी ओर मिजोरम के लिए बैराबी–सैरंग रेलवे लाइन का उद्घाटन ऐतिहासिक है। ४५ सुरंगों और दर्जनों पुलों से होकर गुजरने वाली यह रेल परियोजना केवल तकनीकी चमत्कार नहीं, बल्कि आर्थिक जीवनरेखा है। मिजोरम अब सीधे दिल्ली, कोलकाता और गुवाहाटी से जुड़ गया है। इसका अर्थ है– रोजगार और व्यापार के नए अवसर, पर्यटन में भारी बढ़ोतरी, खाद्यान्न व आवश्यक वस्तुओं की आसान आपूर्ति और सबसे महत्वपूर्ण, पूर्वोत्तर को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से स्थायी जुड़ाव। यह परियोजना 'एक्ट ईस्ट' नीति को गति देगी और मिजोरम को दक्षिण–पूर्व एशिया के साथ जोड़कर अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भी तैयार करेगी। प्रधानमंत्री ने मिजोरम से जो संदेश दिया उसकी गूँज पूरे देश तक पहुँची है। बहरहाल, प्रधानमंत्री की मणिपुर की यात्रा से यह संदेश गया कि सरकार केवल नीतियों से नहीं, बल्कि संवेदनशील संवाद से भी शांति ला सकती है। वहीं मिजोरम की रेल परियोजना ने दिखा दिया कि पूर्वोत्तर अब उपेक्षित नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा का इंजन बनने जा रहा है। इस दौरे का सबसे बड़ा महत्व यही है कि प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर को केवल सीमांत भूगोल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और विकास का केंद्र मानते हुए वहाँ विश्वास और विकास दोनों की नई पटरियाँ बिछाई हैं।

दिल्ली के छतरपुर में छत से गिरकर किशोर की मौत

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक मकान की छत से गिरकर १६ वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि मैदान गढ़ी पुलिस थाने में ए–ब्ल क, गली नंबर ३४, छतरपुर में हुई इस घटना की सूचना पुलिस को एक पीसीआर क ल से मिली थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंचने पर पुलिस को एक युवक खून से लथपथ पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि बाद में उसके परिवार से संपर्क करने पर उसकी पहचान छतरपुर निवासी विशाल गौड़ के रूप में हुई। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच और सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि विशाल गौड़ शुक्रवार देर रात करीब १२.४८ बजे छत से गिर गया था। उन्होंने कहा, ''घटनास्थल का निरीक्षण करने पर छत पर एक मोबाइल नंबर लिखा मिला, जिससे युवक की पहचान में अहम भूमिका निभायी। पुलिस ने बताया कि अपराध दल और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आगे की जांच जारी है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक अन्य व्यक्ति घायल

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में दिल्ली–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात दिल्ली से आगरा की ओर जा रही तेज रफ्तार एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई, जिससे वाहन में सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान औरैया निवासी श्रवण अवस्थी (३२) औरदिल्ली निवासी शुभम मिश्रा (३०) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वहीं घायल शिवम पाण्डेय अयोध्या का रहने वाला है और उसका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। जैंत थाना प्रभारी ने बताया कि तीनो लोग शिवम पाण्डेय की बहन को दिल्ली उसके ससुराल छोड़ने आए थे। उन्होंने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शर्मनाक! सिंदूर मिटाने वालों संग क्रिकेट क्यों? AAP ने पूछा सरकार से सवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को सरकार पर राजस्व के लिए आतंकवाद की अनदेखी करने का आरोप लगाया और पूछा कि क्रिकेट और आतंकवाद एक साथ कैसे चल सकते हैं। आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दुबई में १४ सितंबर को होने वाले भारत–पाकिस्तान एशिया कप २०२५ मैच का कड़ा विरोध किया और इसे शर्मनाक करार दिया। आप कार्यालय से प्राप्त तस्वीरों में पार्टी कार्यकर्ता तख्तियाँ लिए और मैच के खिलाफ नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए, भारद्वाज ने कहा कि २६ महिलाओं का सिंदूर मिटा दिया गया। आतंकवादियों ने उन्हें निशाना बनाया और मार डाला। पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने हमारी बहनों के बारे में अपमानजनक पोस्ट किए। हमारी टीम ऐसे लोगों के साथ क्रिकेट कैसे खेल सकती है? सरकार ऐसा कैसे कर सकती है? हम कहते थे कि व्यापार और आतंकवाद साथ–साथ नहीं चल सकते, पानी और आतंकवाद साथ–साथ नहीं चल सकते, बातचीत और आतंकवाद साथ–साथ नहीं चल सकते। तो क्रिकेट और आतंकवाद साथ–साथ कैसे चल सकते हैं? उन्होंने आगे कहा कि हमारी अंतरात्मा इस तरह कैसे मर सकती है कि हम पाकिस्तानियों के साथ क्रिकेट खेलने को तैयार हैं ताकि बीसीसीआई और आईसीसी को राजस्व मिले, ताकि प्रसारकों को

करोड़ों की कमाई हो? यह बेहद शर्मनाक है। विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए, आप विधायक संजीव झा ने भारतीय सैनिकों के बलिदान को याद किया और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। झा ने एएनआई से कहा कि भारत बनाम पाकिस्तान मैच–यह वही पाकिस्तान है जिसने हमारी बहनों का सिंदूर मिटा दिया, यह वही दुश्मन देश है जिसके लिए हमारे जवानों को अपनी जान देनी पड़ी, यह वही दुश्मन देश है जिसके लिए ऑपरेशन सिंदूर आज भी जारी है। तो आप उनके साथ क्रिकेट कैसे खेल सकते हैं? भाजपा नेता कहते थे कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। तो खून और क्रिकेट एक साथ कैसे हो रहा है? हम इसका विरोध करते हैं... पाकिस्तानी खिलाड़ी हमारी बहनों के बारे में अपमानजनक पोस्ट करते थे... क्या आप उनके साथ क्रिकेट खेलेंगे? क्या आईसीसी और बीसीसीआई के पदाधिकारी इसे बर्दाश्त करेंगे? हम नहीं कर सकते। इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं... मैं केंद्र से कहना चाहूंगा कि इस मैच को तुरंत रोक दिया जाना चाहिए। लोग गुस्से में हैं।

लखनऊ में बिजली विभाग से विवाद के कारण व्यक्ति ने खाया जहर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास के निकट ला मार्टिनियर चौराहे पर शुक्रवार को ४५ वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बुलंदशहर निवासी अजय कुमार उर्फ धर्मेश कुमार को सरकारी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि उसकी हालत अब स्थिर है। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब नौ बजकर २० मिनट पर पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति उल्टी कर रहा है और उसकी तबियत खराब है। पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि उसने जहर खा लिया है, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ के दौरान अजय कुमार ने खुलासा किया कि उसने बिजली विभाग के साथ लंबे समय से जारी विवाद के कारण यह कदम उठाया। उसने दावा किया कि २०१४ में बुलंदशहर स्थित उसकी आटा चक्की का एक ट्रांसफार्मर ओवरलोड के कारण जल गया था। पुलिस ने बताया कि एक नया ट्रांसफार्मर भी लगाने के कुछ ही समय बाद खराब हो गया। कुमार के अनुसार, बिजली विभाग ने उससे नए ट्रांसफार्मर की कीमत का ७० प्रतिशत भुगतान करने की कथित तौर पर मांग की थी, जिसे वह चुकाने में असमर्थ रहा। कुमार ने दावा किया कि इस कारण उसका व्यवसाय एक दशक से भी ज्यादा समय से बंद है। स्थानीय पुलिस अब बुलंदशहर में अपने समकक्षों से उसके बयान की पुष्टि के लिए संपर्क कर रही है।

पुलिस ने अपहृत दो बालकों को 24 घंटे के बाद बरामद किया,आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र से अपहृत १० और १२ साल के दो बालकों को २४ घंटे बाद ही पुलिस ने बचा लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार इस मामले में १६ वर्षीय एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार १० और १२ के दोनों बच्चों के बृहस्पतिवार रात वापस न लौटने पर उनके परिवारों ने उनके लापता होने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। परिजनों ने शुक्रवार सुबह एक टेक्स्ट मैसेज मिलने के बाद पुलिस को सूचित किया, जिसमें प्रत्येक बच्चे के लिए १० लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी। थाना प्रभारी (एसएचओ) सुभाष चंद्र सरोज ने कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें एक व्यक्ति लड़कों को साइकिल पर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा था। उन्होंने बताया कि संदिग्ध की पहचान कर ली गयी जिसका ठिकाना लखीमपुर खीरी जिले के गोला गोकर्णनाथ निकला। एसएचओ ने कहा,''एक विशेष टीम भेजी गई जिसने लड़कों को बचाया और संदिग्ध विजय शर्मा (१६) को गिरफ्तार कर लिया।'' सीतापुर निवासी विजय शर्मा घटना के समय लखनऊ के पटेल नगर में रह रहा था। पुलिस अग्रिम कानूनी कार्यवाही कर रही है।

सुशीला कार्की ने संभाली नेपाल की कमान तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दे दिया बड़ा बयान, समझिये मायने

नई दिल्ली। नेपाल के राजनीतिक संकट ने जिस तेजी से करवट ली, उसने पूरे दक्षिण एशिया का ध्यान खींचा। के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफे और उसके बाद हिंसक प्रदर्शनों से उपजी अराजकता ने नेपाल को अनिश्चितता के गर्त में धकेल दिया था। लेकिन ठीक इसी समय देश की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में चुना जाना एक ऐतिहासिक कदम है। कार्की न केवल नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं, बल्कि उनके नेतृत्व को नेपाली युवाओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वींति भी प्राप्त है। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने कार्की को शपथ दिलाकर यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक अस्थिरता के बीच अब एक संवैध ाानिक और लोकतांत्रिक समाधान सामने आया है। छह महीने के भीतर चुनाव कराने का जिम्मा कार्की सरकार के पास है और यह जिम्मेदारी आसान नहीं होगी। नेपाल में भ्रष्टाचार, आर्थिक असमानता और सामाजिक अशांति जैसी चुनौतियाँ उनके सामने हैं। भारत ने इस नए राजनीतिक बदलाव पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्की को शपथ ग्रहण पर बधाई देते हुए कहा कि भारत नेपाल के शांति, स्थिरता और प्रगति के प्रयासों में हर कदम पर सहयोग करेगा। मोदी का यह वक्तव्य केवल एक औपचारिक संदेश नहीं, बल्कि नेपाल को लेकर भारत की साझी विरासत और विश्वास की नीति को दर्शाता है। महत्वपूर्ण यह भी है कि मोदी ने मणिपुर की धरती से नेपाल को संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'आज मणिपुर की इस धरती से मैं नेपाल के मेरे साथियों से भी बात करूंगा। हिमालय की गोद

में बसा नेपाल, भारत का एक मित्र है, करीबी दोस्त है। हम साझा इतिहास से जुड़े हैं। आस्था से जुड़े हैं। साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। मैं आज नेपाल में अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने पर १४० करोड़ भारतवासियों की ओर से श्रीमती सुशीला जी को हार्दिक बध ाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि वे नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी। नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला जी का आना, महिला सशक्तिकरण का बहुत उत्तम उदाहरण है। मैं आज नेपाल में ऐसे हर एक व्यक्ति की सराहना करूंगा जिसने ऐसे अस्थिरता भरे माहौल में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा है।' देखा जाये तो प्रधानमंत्री का यह संदेश प्रतीकात्मक रूप से भारत–नेपाल के गहरे सांस्कृतिक और भौगोलिक जुड़ाव को रेखांकित करता है। भारत जानता है कि नेपाल की स्थिरता उसकी अपनी सुरक्षा और विकास से भी जुड़ी है। इसलिए भारत का यह भरोसा कि वह नेपाल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा, काठमांडू की नई सरकार के लिए बड़ी ताकत है। हम आपको यह भी बता दें कि सुशीला कार्की का वाराणसी से नाता और लोकतांत्रिक आंदोलनों से उनकी पुरानी सक्रियता उन्हें भारत के और करीब लाती है। ऐसे समय में जब नेपाल ने अशांति और राजनीतिक अनिश्चितता का सामना किया है, उनका नेतृत्व न केवल लोकतांत्रिक पुनर्निर्माण का संकेत है बल्कि महिला सशक्तिकरण की मिसाल भी है। नेपाल के लिए आने वाले महीने बेहद निर्णायक होंगे। अगर कार्की सरकार लोकतांत्रिक चुनाव की दिशा में पारदर्शिता और स्थिरता कायम कर पाती है, तो यह न केवल नेपाल बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए एक सकारात्मक संदेश होगा। भारत का सहयोग इस राह को और आसान बना सकता है।

भारत-पाक मैच पर फूटा गुस्साः राष्ट्रवादी क्रिकेटर चुप क्यों? BCCI उन्हें बंदूक की नोक पर खेलने के लिए मजबूर नहीं कर सकता

लखनऊ। शिया कप २०२५ में होने वाले भारत–पाकिस्तान मैच पर, पहलगाम आतंकी हमले के शिकार शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या द्विवेदी का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच की अनुमति नहीं देनी चाहिए थी। मुझे लगता है कि बीसीसीआई उन २६ परिवारों के प्रति भावुक नहीं है। हमारे क्रिकेटर क्या कर रहे हैं? कहा जाता है कि क्रिकेटर राष्ट्रवादी होते हैं। इसे हमारा राष्ट्रीय खेल माना जाता है। लेकिन १–२ क्रिकेटरों को छोड़कर, किसी ने आगे आकर यह नहीं कहा कि हमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करना चाहिए। ऐशान्या द्विवेदी ने कहा कि बीसीसीआई उन्हें बंदूक की नोक पर खेलने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। उन्हें अपने देश के लिए खड़ा होना चाहिए। लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। मैं प्रायोजकों और प्रसारकों से पूछना चाहती हूँ कि अगर उन २६ परिवारों की राष्ट्रीयता खत्म हो गई तो... मैच से होने वाली कमाई का क्या इस्तेमाल होगा? पाकिस्तान इसका इस्तेमाल सिर्फ आतंकवाद के लिए करेगा। वह एक आतंकवादी देश है। आप उन्हें राजस्व मुहैया कराएँगे और उन्हें हम पर फिर से हमला करने के लिए तैयार करेंगे। शुभम द्विवेदी की पत्नी ने कहा कि मुझे यह समझ नहीं आ रहा... मैं लोगों से इसका बहिष्कार करने की अपील करती हूँ। इसे देखने न जाएँ और इसके लिए अपना टीवी भी न चलाएँ। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने १४ सितंबर को दुबई में होने वाले भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच का कड़ा विरोध किया और हाल ही में हुई आतंकी गतिविधियों के मद्देनजर मैच रद्द करने की मांग की। अमेरिका में शूट किए गए एक स्व–निर्मित वीडियो में, चतुर्वेदी ने याद किया कि उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष को मैच रद्द करने के लिए एक पत्र लिखा था क्योंकि पाकिस्तानी क्रिकेटर अक्सर अपने सोशल मीडिया पर भारत और

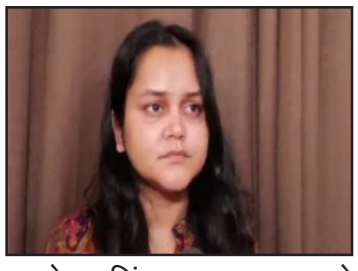

अ परेशन सिंदूर का अपमान करते पाए गए थे। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि एशिया कप के तहत, १४ सितंबर को दुबई में भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच होना है। मैंने संसद में यह मुद्दा इसलिए उठाया था क्योंकि अ परेशन सिंदूर के बाद जब मैं संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में विभिन्न देशों के दौरे पर गया था, तो हमें बताया गया था कि आतंकवाद से कोई बातचीत या व्यापार नहीं होगा। पहलगाम में २६ युवाओं की जान चली गई और २६ महिलाएं विधवा हो गईं। इसीलिए अ परेशन सिंदूर हुआ और हमने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। चतुर्वेदी ने अपने लेख में कहा कि हमने यह भी संकल्प लिया था कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद के खात्मे की दिशा में काम नहीं करेगा, तब तक हम उसके साथ सभी तरह की बातचीत और व्यापार बंद कर देंगे। अब इस क्रिकेट मैच की घोषणा हो गई है। मेरे और देश के कई नागरिकों के बार–बार अनुरोध के बावजूद, यह हो रहा है। मैंने केंद्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया था कि वे बीसीसीआई अध्यक्ष से मैच रद्द करने का अनुरोध करें। पाकिस्तानी क्रिकेटर अपने सोशल मीडिया पर हमें और ऑपरेशन सिंदूर को अपमानित करते पाए गए। वे हमेशा अपने देश के आतंकवादियों के साथ खड़े रहे।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को गोली लगी, जिसेतत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बेहतर उपचार के लिए उसे मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बदमाशों के पास से अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी की मोटरसाइकिल, नकदी और लूटे गए मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि शुक्रवार रात नवाबगंज थानाक्षेत्र में अपराधियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर थानाध यक्ष अभय सिंह व एसओजी प्रभारी गौरव सिंह की टीम ने गश्त शुरू की। अधिकारी ने बताया कि देर रात शूटिंग रेंज के पास मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने पुलिस पर गोलियां चलाईं। जायसवाल ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में बदमाश अंकित सिंह के पैर में गोली लगी जबकि उसके साथी शिवम यादव को दबोच लिया गया। उन्होंने बताया कि दोनों बदमाश छीनाझपटी की घटनाओं को अंजाम देते थे और हाल ही में नवाबगंज क्षेत्र में महिला से पर्स छीनने की कोशिश का सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जायसवाल ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों से जिले में हुई कम से कम पांच घटनाओं का खुलासा हुआ है। उन्होंने बताया कि अंकित सिंह के खिलाफ विभिन्न थानों में नौ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और दोनों से पूछताछ की जा रही है।

पत्नी और ससुराल वालों के उत्पीड़न से परेशान युवक ने वीडियो बनाकर खाया जहर, मौत

मेरठ । जिले के लिसाड़ीगेट थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर पत्नी और ससुराल पक्ष के उत्पीड़न से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरने से पहले उसने तीन वीडियो बनाए, जिनमें उसने अपनी तकलीफ और पत्नी की जिद का जिक्र किया। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह ने शुक्रवार को बताया कि थाना लिसाड़ी गेट पुलिस को बृहस्पतिवार को जान मोहम्मद (४०) नामक व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली थी तथा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। घसिंह ने बताया कि शुरुआती जांच पड़ताल में पता चला है कि जान मोहम्मद का अपने ससुराल पक्ष, पत्नी और साले आदि से विवाद चल रहा था जिसके चलते उसने आत्महत्या की है। मरने से पहले उसने अपना वीडियो भी बनाया है। जान मोहम्मद के भाई की तहरीर पर उसकी पत्नी शहनाज, सास अहमद निशा, साले इसरार, शान मोहम्मद, कासिम, कासिफ, साढू सलाउद्दीन और सलमान के खिलाफ मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। जान मोहम्मद के भाई आस मोहम्मद ने बताया कि उसके भाई की पत्नी शहनाज पिछले करीब दो सप्ताह से अपने मायके मुरादनगर के जलालाबाद में रह रही थी। शहनाज मकान अपने नाम कराने की जिद कर रही थी। इसी विवाद को लेकर तीन माह पूर्व उसने तेजाब पी लिया था। बेटी की शादी के दिन भी वह अस्पताल में भर्ती थी।

बालिकाओं में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए मंडल स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

लखनऊ। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं में खेल प्रतिभाओं को निखारने, एक मंच प्रदान करने के लिए मंडल स्तरीय खेल कूद

प्रतियोगिता का उद्घाटन राजधानी लखनऊ के चौक स्टेडियम वरिष्ठ विशेषज्ञ समग्र शिक्षा मुकेश कुमार सिंह द्वारा किया गया । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राम प्रवेश द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत करने के बाद लखनऊ जनपद के व्यायाम शिक्षकों यादवेंद्र पांडेय , नीलम सिंह, संजय पांडेय द्वारा मुख्य अतिथि का बैज अलंकरण किया तथा कस्तूरबा गांधी काकोरी ब्लॉक की बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना, ध्वजारोहण के बाद १०० मीटर दौड़ के साथ प्रतियोगिता की विधिवत शुरुआत हुई। प्रतिभागी बालिकाओं के उत्साह वर्धन हेतु मुख्य अतिथि ने स्वयं बालिकाओं के साथ दौड़ भी लगाई। (यू– १४) वर्ग १०० मीटर दौड़ में सीतापुर की कामेक्षा प्रथम, खीरी की हिमांशी पाण्डेय द्वितीय स्थान पर रही। २००,४०० मीटर दौड़ में खीरी की निशा देवी, जबकि ६०० मीटर दौड़ में खीरी की रोहिनी देवी प्रथम स्थान पर रही। कुश्ती (अंडर १४ आयु वर्ग) में ३० किग्रा भार वर्ग में हरदोई की रुकसार, ३३ से ३६ किग्रा भारवर्ग में माही लखीमपुर, ३६से ३६ किग्रा भार वर्ग में दामिनी हरदोई प्रथम स्थान पर रही। कुश्ती अंडर – १७ आयु वर्ग में ४० किग्रा भार वर्ग में लखीमपुर की फिजा , जबकि ४३–४६ किग्रा भार वर्ग में साक्षी सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । अंडर १७ कबड्डी में लखीमपुर की टीम सीतापुर की टीम को हराकर विजेता बनी। ऊंची कूद (न्यू–१४) में आस्था पाल हरदोई प्रथम जबकि माही लखीमपुर दूसरे स्थान पर रही। ऊंची कूद (यू –१७) में लखीमपुर खीरी की ज्योति प्रथम , रोशनी उन्नाव जनपद ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद (यू –१६) में खीरी की शबनम प्रथम, हरदोई की ज्योति द्वितीय स्थान पर रही। खो खो में उन्नाव जनपद की टीम खीरी की टीम को हराकर विजेता बनी। गोला क्षेपण में उन्नाव की हिमांशी प्रथम वहीं चक्र क्षेपण में उन्नाव की ही श्रद्धा प्रथम रहीं। खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय राजेश सिंह, बीईओ सरोजनी नगर आर पी यादव, बीईओ मोहनलालगंज सुशील कन्नौजिया, बीईओ बीकेटी धर्मेंद्र कटियार, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा सविता शुक्ला ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय राजेश सिंह ने बताया कि मंडलीय प्रतियोगिता में मण्डल के सभी जिलों से विजेता टीमों के लगभग ८५० छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मंडलीय प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर प्रतिभाग हेतु विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भी किया जाएगा।

देह व्यापार में शामिल आठ युवतियों समेत १७ आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में पुलिस ने एक लाउंज में छापेमारी कर कथित देह व्यापार में लिप्त गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार युवतियों समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया ।पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मेरठ में देह व्यापार में संलिप्त चार महिलाओं समेत नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने बताया कि ल न्ज एवं होटलों में देह व्यापार की शिकायत मिलने पर पुलिस ने पाहलवारा मोहल्ले में मंगल प्रसाद टेंट हाउस पर छापेमारी कर सहजराम नामक व्यक्ति एवं दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि सिविल लाइन स्थित 'अमन लाउंज' में छापेमारी कर अनवर, सिराज, बरकत अली के साथ दो युवतियों को गिरफ्तार

कर लिया। एसपी ने बताया कि सभी आरोपियों को अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक उधर मेरठ जिले में थाना एएचटीयू (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) और महिला थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कबाड़ी बाजार इलाके में छापेमारी कर अवैध रूप से संचालित कथित देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ कर १७ महिलाओं को मुक्त कराते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में चार महिलायें भी हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी (कैंट) नवीना शुक्ला के नेतृत्व में बृहस्पतिवार देर रात यह कार्रवाई की गई। आरोपियों के खिलाफ एएचटीयू थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में मसूद, इलियास, जाकिर, याकुब और कन्हैया के अलावा चार महिलायें भी शामिल हैं। सभी को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

किसानों के लिए बड़ी सौगात : सरजू सहकारी चीनी मिल्स में 'किसान जलपान गृह' का शुभारंभ

कृष्ण कुमार शुक्ला, लखीमपुर खीरी, १२ सितंबर। किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सरजू सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड, बेलरायां में शुक्रवार को 'किसान जलपान गृह' की भव्य शुरुआत हुई। डीएम व मिल अध्यक्ष दुर्गा शक्ति नागपाल, विधायक शशांक वर्मा और एसपी संकल्प शर्मा ने उपाध्यक्ष सुच्चा सिंह संग विधि–विधान से पूजन कर फीता काटा और कैंटीन को किसानों को समर्पित किया। उद्घाटन के बाद डीएम, विधायक और एसपी ने किसानों और मिल पदाधिकारियों के साथ बैठकर जलपान किया।

इस दौरान डीएम ने प्रबंधन को निर्देश दिए कि किसानों को किफायती दर पर पौष्टिक भोजन थाली उपलब्ध कराई जाए, ताकि गन्ना आपूर्ति के दौरान उन्हें गुणवत्तापूर्ण खानपान की चिंता न रहे ।गौरतलब है कि हाल में हुई बोर्ड बैठक में लिया गया यह निर्णय अब हकीकत बन चुका है। किसानों ने इस पहल को "किसान हित में बड़ा कदम" बताते हुए डीएम और विधायक का आभार जताया। उनका कहना था कि इस कैंटीन से गन्ना लाने वाले किसानों को उचित दाम पर समय से भोजन मिल सकेगा और उनका समय व मेहनत दोनों बचेंगे।

कार की टक्कर से तीन लोगों की मौत

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार कार और मोटरसाइकिल की आमने–सामने की टक्कर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गयी। पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रगति चौहान ने संवाददाताओं को बताया कि बीसलपुर–देवरिया मार्ग पर विरसिंहपुर गांव में मंगलम बारात घर के पास एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में मोटरसाइकिल सवार प्रवीण (३५), उसकी सुशीला (५५) और बेटे यश (नौ) की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि वे शाहजहांपुर के पुवायां थाना क्षेत्र स्थित टकेली बड़ागांव गांव के रहने वाले थे और पीलीभीत के देवरिया कलां थाना क्षेत्र के गुलड़िया गांव जा रहे थे। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से भाग गया जबकि पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बंदरों के हमले से बचने के दौरान सीढ़ी से गिरकर बुजुर्ग महिला की मौत

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में शुक्रवार को बंदरों के हमले से बचने के दौरान सीढ़ी से गिरकर एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सिकंदरपुर थानाक्षेत्र के सिकियां गांव में रहने वाली कांति देवी (६५) शुक्रवार को घर की छत पर से कपड़े उतार रही थीं कि तभी बंदरों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि बंदरों के हमले से बचने के दौरान कांति देवी संतुलन खो बैठीं और सीढ़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस के मुताबिक, परिजन कांति देवी को सिकंदरपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

पिता से झगड़ कर रहे नशे में धुत युवक को पड़ोसी ने मारा थप्पड़, मौत

इटावा। जिले में पिता से झगड़ रहे १६ वर्षीय एक युवक को पड़ोसी ने कथित रूप से थप्पड़ मार दिया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। निरीक्षक (अपराध) अरिमर्दन सिंह ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार देर रात की है जब भरथना इलाके का निवासी गौरव नशे की हालत में अपने पिता रघुवर दयाल से कथित रूप से झगड़ रहा था। सिंह ने बताया कि कुछ पड़ोसियों ने बीच–बचाव किया और उनमें से एक ने गौरव को कथित तौर पर थप्पड़ मार दिया, जिससे वह जमीन पर गिरकर बेहोश हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गौरव को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ड्रग फैक्टरी का खुलासा, इनामी तस्कर गिरफ्तार

प्रतापगढ़। राजस्थान पुलिस ने बृहस्पतिवार को प्रतापगढ़ जिले में 'एमडी ड्रग' बनाने वाली एक अवैध फैक्टरी का भंडाफोड़ करने का दावा किया। अधिकारियों ने बताया कि 'एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ)' और प्रतापगढ़ जिला पुलिस ने बुधवार रात संयुक्त अभियान में २५,००० रुपये के इनामी आरोपी जमशेद उर्फ जम्मु लाला निवासी देवल्दी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि टीम ने फैक्टरी से करीब ५० करोड़ रुपये कीमत की १७.४ किलोग्राम एमडी पाउडर, ७० किलो ग्राम से अधिक रासायनिक पदार्थ एवं उपकरण बरामद किए। यह अभियान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन की देखरेख में चलाया गया ।एजीटीएफ टीम को अवैध फैक्टरी के स्थान के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी।

प्राइमरी स्कूल की प्रधान अध्यापिका 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

बरेली। जिले में भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने एक स्कूल की प्रधानाध्यापिका को ५० हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार के बताया कि बिथरी चौनपुर क्षेत्र के म्यूडी खुर्द स्थित प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सरिता वर्मा को भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने बुधवार को ५० हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सान्याल ने बताया कि सरिता वर्मा ने स्कूल में हुए निर्माण कार्य का भुगतान जारी करने के लिए ठेकेदार से नाजायज कमीशन मांगा था। पीड़ित ठेकेदार राजकुमार ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन से इसकी शिकायत की। शिकायत की पुष्टि होने पर वर्मा को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनायी गयी। उन्होंने कहा, योजना के मुताबिक राजकुमार रिश्वत की रकम लेकर पहुंचा। प्रधानाध्यापिका ने जैसे ही ठेकेदार से वह धनराशि ली, टीम ने मौके पर ही उसे पकड़ लिया।'' उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद प्रधानाध्यापिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया गया। वहां से उसे जेल भेज दिया

रतन सिस्टर्स ईशा–मीशा के कथक से सजी शाम, पुस्तक प्रेमियों ने खरीदीं मनपसंद किताबें

लखनऊ। बलरामपुर गार्डन अशोक मार्ग पर चल रहा २२वां राष्ट्रीय पुस्तक मेला समापन की दहलीज पर है। ग्यारहवें दिन हिन्दी दिवस पर कल रात मेला विदा ले लेगा। पुस्तक प्रेमियों से

गुलजार मेले में लोग अपनी पसंद के हिसाब से किताबें खरीदते दिखे। बाराबंकी के विनय ने दलित साहित्य की १५ पुस्तकें खरीदीं। मधूलिका ने शुभि प्रकाशन से जय शेट्टी की संन्यासी की तरह सोचें और रोजर की फर्स्ट थिंग्स फर्स्ट किताब खरीदी। इंटर स्टूडेंट अवंतिका और प्रभात ने बाइनाकुलर जैसे कुछ उपकरण पसंद किए। नन्हीं ऋचा, क्षिति और आरव ने कलरिंग बुक और कहानियों की किताबें लीं। मेला मंच पर आज निखिल प्रकाशन के पर्यावरण चेतना व सम्मान समारोह में १०८ हिन्दी साहित्यकारों को सम्मानित करने के पश्चात बंगाल के सेवानिवृत्त शिक्षक सुकुमार जैन की बांग्ला पुस्तक कविता कहानी का संग्रह काकोली का विमोचन हुआ। शाम को पुस्तक मेला समिति और द ट्रिब्यून का सम्मान समारोह हुआ। समारोह में कैंसर संस्थान के निदेशक प्रो.एमएलबी भट्ट, जबलपुर विधि विधि के प्रो.बलराज चौहान, ग्वालियर के प्रो.ए सिंह, पीएफ आयुक्त एके गुप्ता, शिक्षाविद् रचना मेहरोत्रा जैसे अतिथियों और संयोजक मनोज सिंह चंदेल व केपी सिंह व केपी सिंह ने स्वास्थ्य व अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया। इनमें श्वास रोग विशेषज्ञ डा.एसएन गुप्ता, डा.ममता गुप्ता, डा.अरवीन तुलसी, डा.फराह अरशद, डा.केबी जैन, डा.एएम सिद्दीकी, डा.देवेश कोहली, डा.अमित कुमार निरंजन, जसवंत सिंह, नितिन भाटिया, सिटी एसेंस पत्रिका की ईशा सिंह, डा.रिंकी पाठक, रामशंकर वर्मा, अर्चना राय, रचना मित्रा, डा.तुषार चेतावनी, मधुलिका अग्रवाल, मधुमिता मुखर्जी, अंजना स्वामी और शिल्पी जैन आदि शामिल थे। शाम को वाणी प्रकाशन से निकली रतन श्रीवास्तव रतन की पुस्तक ख्वाबों का ताना बाना का विमोचन हुआ। अंत में भुशुण्डि साहित्य संस्थान का कार्यक्रम हुआ। मेले में रतन सिस्टर्स ईशा–मीशा के डांस ग्रुप की शास्त्रीय कथक और अन्य नृत्य प्रस्तुतियों में बिजली सी चपलता दिखी। ईशा–मीशा ने रुद्राष्टकम में शिव का वंदन स्तवन किया। राम वंदना के संग सूफी रंगत में छाप तिलक सब छीन्हीं... भी अलग अलग रंगों में रही। शिष्याओं अनुष्का सिंह रिद्धिमा श्रीवास्तव ने गणेश वंदना और काहे छेड़ पर नृत्य किया।

दुष्कर्म मामले में डीएनए जांच का आदेश नियमित ढंग से नहीं दिया जा सकता

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक मामले में कहा है कि दुष्कर्म पीड़िता और उसके बच्चे की डीएनए की जांच का आदेश नियमित ढंग से नहीं दिया जा सकता क्योंकि इसके गंभीर परिणाम होते हैं। अदालत ने रामचंद्र राम नामक एक व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी। उसने एक महिला और उसके बच्चे की डीएनए जांच की मांग खारिज किए जाने को चुनौती दी थी। यमूर्ति राजीव मिश्रा ने कहा, "भादंसं की धारा ३७६ (दुष्कर्म) के तहत उस बच्चे के पितृत्व का पता लगाने की आवश्यकता नहीं होती। दुष्कर्म पीड़िता और उसके बच्चे के डीएनए की जांच के गंभीर सामाजिक परिणाम होते हैं। बाध्यकारी और अपरिहार्य परिस्थितियां पैदा होने पर ही डीएनए की जांच का आदेश दिया जा सकता है।" मौजूदा मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ भादसं की धाराओं ३७६ (दुष्कर्म), ४५२ (घर में घुसने), ३४२ (गलत ढंग से कैद करने), ५०६ (आपराधिक धमकी) और प क्सो अधिनियम की धारा ५१६ के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। जांच के बाद याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया और मामले में सुनवाई आगे बढ़ी। बाद में पांच गवाहों की गवाही के बाद याचिकाकर्ता ने दुष्कर्म पीड़िता और उसके बच्चे के डीएनए की जांच के लिए एक आवेदन दाखिल किया जिसे निचली अदालत द्वारा खारिज कर दिया गया। इसके बाद, उसने उच्च न्यायालय का रुख किया। उसकी दलील दी थी कि निर्दोष साबित होने के लिए डीएनए जांच आवश्यक है। अदालत ने २२ अगस्त के निर्णय में कहा कि दुष्कर्म पीड़िता और उसके बच्चे की डीएनए जांच कराने के लिए ऐसी कोई बाध्यकारी परिस्थितियां नहीं हैं जो जांच की आवश्यकता दर्शाती हों। अदालत ने निचली अदालत के निर्णय को सही ठहराया।

पेट्रोल में मिलावट से बाइक उपभोक्ता परेशान

(सुनील शर्मा) लखीमपुर खीरी। बता दें कि वर्तमान में अगर मिलावट की बात करें तो आपको हर चीज में मिलावट मिलेगी चाहे वह दूध हो चाहे खाद्य पदार्थ हो यहां तक की अगर जांच की जाये तो दवाइयां में भी मिलावट आपको मिल जायेंगी, लेकिन इसके ऊपर न किसी अधिकारी न कोई अफसर और मंत्री, विधायक, सासंद सरकार किसी की नजर नहीं जाती । अधिकारी सिर्फ मीटिंग में व्यस्त रहते हैं।अगर बात करे तो पेट्रोल वाहन तो चाहे वो बाइक हो या कार हो पेट्रोल में मिलावट से उपभोक्ता परेशान है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है किसी भी पेट्रोल टंकी पर आप पेट्रोल डलवा ले लेकिन आपको मिलावट जरूर मिलेगी जिससे गाड़ियां खराब हो रही है माइलेज भी कम हो रहा है इंजन की लाइफ भी कम हो रही है। इससे बाइक वाले ज्यादा परेशान है।क्योकि बाइक मिडिल क्लास वाले ही ज्यादातर चलाते हैं इस पर भी कोई देखने सुनने वाला नहीं अधिकारी सिर्फ अपने कार्यो में व्यस्त रहते हैं। हां पेट्रोल टंकियो पर नो हेलमेट नो फ्यूल का बैनर जरूर देखने को मिल जाएगा बस इतना ही काफी है। उनको तेल क्वालिटी (मिलावट) से कोई लेना–देना नहीं। एक उपभोक्ता ने बताया की मैंने परेशान होकर अपनी बाइक की टंकी साफ कराई जिसमें दो लीटर की बोतल में लगभग आधा लीटर पानी का जैसा पेट्रोल निकला। उसके बाद फिर दोबारा दूसरी पेट्रोल टंकी से तेल डलवाया दोबारा फिर भी वही हाल। जिससे जाहिर होता है कि सारे पेट्रोल पंपों ने एक राय होकर मिलावट का अभियान चला रखा है। आपको बता दें कि इस समय पेट्रोल में मिलावट तेजी से की जा रही अगर इसकी जांच की जाए तो इसकी सच्चाई सामने आ जाएगी?

शिरोमणि राठौर रंपा तेली जयंती पर याद किए गए शहीद के बलिदान।

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। स्वतंत्रता संग्राम के शहीद शिरोमणि राठौर रंपा तेली जी की जयंती पर प्रतिभा अलंकरण समारोह, याद किए गए शहीद के बलिदान भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान १९४२ में लखीमपुर खीरी में सीने पर गोली खाकर शहादत देने वाले शहीद शिरोमणि वीर राठौर रंपा तेली जी को उनकी जयंती पर श्रद्धा–सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर पलिया नगर के दुधवा रोड स्थित सनमानीय वैश्य धर्मशाला में तैलिक प्रबुद्ध मंच पलिया के द्वारा प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद शिरोमणि वीर शहीद राठौर रंपा तेली एवं समाज की कुलदेवी मा कर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। अतिथियों ने शहीद शिरोमणि रंपा तेली के त्याग और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष करते हुए शहीद शिरोमणि वीर रंपा तेली के नेतृत्व में साथियों के साथ रेल की पटरी उखाड़ डाली थी। अंग्रेज पुलिस ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने सीने पर गोली खाकर मातृभूमि के लिए प्राणों की आहुति दे दी। तैलिक समाज के लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया कि आजादी से लेकर आज तक सभी राजनीतिक दल सत्ता में रहें परन्तु किसी राजनीतिक दल ने लखीमपुर खीरी के शहीद शिरोमणि राठौर रंपा तेली के नाम से लखीमपुर खीरी में एक स्मारक तक नहीं बनवाया ना ही वीर शहीद शिरोमणि राठौर रंपा तेली के परिवार के लोगों को सरकारी

सुविधाएं मिली यह यह एक शहीद के साथ व उसके परिवार के साथ सामाजिक छूआछूत की पराकाष्ठा है। जिसके लिए लखीमपुर खीरी के सभी राजनीतिक दल व उसके नेतागण जिम्मेदार है। तैलिक समाज के लोगों ने वर्तमान भाजपा सरकार से मांग की कि लखीमपुर खीरी मेडिकल कॉलेज का नामकरण शहीद शिरोमणि राठौर रंपा तेली के नाम पर किया जाये। समारोह में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश राठौर, विशिष्ट अतिथि अनूप गुप्ता और राजकुमार राठौर रहे। कार्यक्रम का संयोजन मनोज गुप्ता व अधिवक्ता राजेन्द्र कुमार राठौर ने किया। अध्यक्षता राजेन्द्र राठौर ने की जबकि संचालन अधिवक्ता संजय राठौर ने किया। पूर्व सभासद सीताराम राठौर, भाजपा नगर मंत्री मनोज गुप्ता, अधिवक्ता मनोज राठौर, राकेश गुप्ता, संदीप राठौर, शिवराज राठौर, अनिल गुप्ता, रघुनाथ राठौर, कोमल राठौर समेत कई वक्ताओं ने समाज के उत्थान व शिक्षा के महत्व पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में भारी संख्या में समाज के महिला–पुरुष व बच्चे उपस्थित रहे।

रोडवेज बस अनियंत्रित होकर पलटी, पांच लोगों की मौत हो गई तथा 10 अन्य जख्मी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के काकोरी इलाके में बृहस्पतिवार को एक रोडवेज बस के अनियंत्रित होकर पलट जाने से पांच यात्रियों की मौत हो गई तथा १० अन्य जख्मी हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। पुलिस ने बताया कि काकोरी थाना क्षेत्र में गोला कुंआ के पास हरदोई से लखनऊ आ रही एक तेज रफ्तार रोडवेज बस सड़क निर्माण कार्य में लगे टैंकर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा १० अन्य घायल हो गये। पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सिंह सेंगर ने इस

बात की पुष्टि की है कि इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और १० अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि स्थानीय निवासियों की मदद से बचाव दल ने घायल यात्रियों को बाहर निकाला और उन्हें काकोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि घटनास्थल पर सड़क निर्माण कार्य चल रहा था और दुर्घटना के समय सड़क पर पानी का छिड़काव किया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को अस्पताल में भर्ती कराकर उनका तत्काल उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

मिशन रोजगारः नव चयनित 2425 मुख्य सेविकाओं को जिले आवंटित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन रोजगार के तहत २८ अगस्त को बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में नव चयनित २४२५ मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया था, वहीं महज १५ दिनों में सभी नव चयनित मुख्य सेविकाओं को अनलाइन प्रेफरेंस कम मेरिट के आधार पर पारदर्शी प्रक्रिया को अपनाते हुए जिले आवंटित कर दिये गये हैं। इसी के साथ विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिला कार्यक्रम अधिकारियों को नव चयनित मुख्य सेविकाओं को तैनाती देने के निर्देश दिये गये हैं। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप नव चयनित मुख्य सेविकाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत जिले में तैनाती के लिए ऑनलाइन पोर्टल (ऑनलाइन प्रेफरेंस कम मेरिट) विकसित किया गया था। ऐसे में शासन से अनुमोदित नीति के अनुसार ६६ जिलों में विकल्प के लिए मुख्य सेविकाओं के लिए पोर्टल को खोला गया था। इस पोर्टल पर ऐसे जिले थे, जहां पर ६० प्रतिशत या इससे अधिक मुख्य सेविका के पद रिक्त थे। इसमें जो मुख्य सेविकाओं की बाल विकास परियोजना अधिकारी के पद पर पदोन्नति हो चुकी है, उन रिक्त

पदों को भी सम्मिलित करते हुए विकल्प भर जाने की सुविधा दी गयी थी। इस पोर्टल पर मुख्य सेविकाओं द्वारा मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से लगिन कर अपना जनपद चुना गया। पोर्टल के माध्यम से ६६ जिलों में से २४२५ मुख्य सेविकाओं ने अपनी जिला आवंटन प्राथमिकता दर्ज करायी गयी थी। इसमें से २४०३ मुख्य सेविकाओं को उनकी प्राथमिकता के आधार पर जिलों का आवंटन किया गया जबकि शेष २२ मुख्य सेविकाओं को रैंडम आवंटन के माध्यम से जिले आवंटित किये गये हैं। जिला आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया में २१२० मुख्य सेविकाओं को उनकी पहली पसंद वाला जिला आवंटित किया गया है, जिसका रेश्यो ८८.२२ प्रतिशत है। इसी तरह २०२ मुख्य सेविकाओं को उनकी द्वितीय प्राथमिकता वाला जिला आवंटित किया गया, जिसका रेश्यो ८.४१ प्रतिशत है जबकि ३४ को तीसरा प्राथमिकता वाला जिला, २६ को चौथा प्राथमिकता वाला जिला और ११ को पांचवां प्राथमिकता वाला जिला आवंटित किया गया है। वहीं २२ मुख्य सेविकाओं को रैंडम आवंटन के माध्यम से जिले आवंटित किये गये हैं। सभी मुख्य सेविकाओं को जिला आवंटित होने के बाद सभी जिला कार्यक्रम अधिकारियों को मुख्य सेविकाओं को तैनाती देने के निर्देश दिये गये हैं।

भारत में पहली बार की गयी इनवेसिव ट्रांसऑर्बिटल-एंडोनासल सर्जरी

लखनऊ। लखनऊ स्थित संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में स्फेनोइडल सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड (सीएसएफ) रिसाव के उपचार के लिये देश में पहली न्यूनतम इनवेसिव संयुक्त

ट्रांसऑर्बिटल (प्रीकारुनकुलर) और एंडोनासल सर्जरी को सफलतापूर्वक संपन्न कर एक नया इतिहास रचा गया है। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के ईएनटी विभाग के प्रोफेसर प्रो. आर.एस. विर्क, एसजीपीजीआई, लखनऊ के न्यूरोटोल जी (ईएनटी) यूनिट प्रमुख डॉ. रवि शंकर और गोवा के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गोविंद भुस्कुटे के संयुक्त नेतृत्व से यह नवोन्मेषी सर्जिकल तकनीक आंसू उत्पादन के लिए जिम्मेदार महत्वपूर्ण विडियन तंत्रिका को संरक्षित करती है, और नाक को आपूर्ति करने वाली स्फेनोप्लाटिन धमनी की रक्षा करती है। तेजी से रिकवरी सुनिश्चित करके, बिना किसी दिखने वाले निशान के कार्य और उपस्थिति दोनों को बनाए रखते हुए, यह प्रगति मानव प्रतिभा की उल्लेखनीय क्षमता को दर्शाती है। भारत अब दुनिया भर में केंद्रों के एक चुनिंदा समूह के साथ खड़ा है। सर्जरी के क्षेत्र में अब तक दुनिया भर में ऐसे केवल पांच मामले ही किए गए हैं, और भारत में यह पहली बार सफलतापूर्वक किया गया है। जो जटिल सीएसएफ लीक के लिए अत्याधुनिक न्यूनतम इनवेसिव खोपड़ी आधार सर्जरी की पेशकश करता है, जो रोगी देखभाल और सर्जिकल उत्कृष्टता में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिसंबर में होगा लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में दो दिसंबर से तीन दिवसीय इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजित किया जायेगा, जिसमें फिल्मकारों, कलाकारों और दर्शकों को एक साथ लाकर कहानियों का जश्न मनाया जाएगा। उधर मशहूर फिल्म एक्टर राकेश बेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार फिल्मों को जिस तरह से प्रोत्साहित कर रही है, उसके लिए वह बधाई के पात्र है। उन्होंने लखनऊ की हरियाली के साथ साथ खानपान और तहजीब की भी तारीफ की। ऑनलाइन फिल्म स्ट्रीमिंग सेवाएं फेस्टिवल के फाउंडर, फिल्म प्रोड्यूसर, डायरेक्टर व डिस्ट्रीब्यूटर आयूब खान ने लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के बारे में कहा "लखनऊ एक शानदार शहर है और यहां सिनेमा को बेहद प्यार मिलता है। दिसम्बर के पहले हफ्ते में हम तीन दिन का यह फिल्म महोत्सव आयोजित कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि राखेश बेदी, सोहम पी. शाह और फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बी.एन. तिवारी जैसे बड़े नाम इस खास मौके पर हमारे साथ हैं।" इसी मौके पर आयूब खान ने अपनी आने वाली हिंदी फीचर फिल्म शुभ संगम की भी घोषणा की। फिल्म निर्देशक और जूरी सदस्य सोहम पी. शाह ने कहा" मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश में हम यह प्रतिष्ठित फेस्टिवल लखनऊ के सहारागंज स्थित

पीवीआर सिनेमा में शुरू कर रहे हैं। इस फेस्टिवल का मकसद यहां के प्रतिभाशाली लेखक, निर्देशक और कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। यह महोत्सव दो से चार दिसम्बर तक पीवीआर सिनेमा, सहारागंज, लखनऊ में होगा और खास बात यह है कि आयूब खान की नई हिंदी फीचर फिल्म शुभ संगम की शूटिंग भी नवंबर २०२५ से उत्तर प्रदेश में ही शुरू होगी।" वरिष्ठ फिल्म अभिनेता राकेश बेदी, जो फेस्टिवल में जूरी सदस्य भी होंगे और फिल्म शुभ संगम में भी अभिनय करेंगे, ने कहा "लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लॉन्च और फिल्म शुभ संगम की घोषणा पर मैं आयूब खान और लखनऊ की जनता को बधाई देता हूं। मुझे खुशी है कि मैं इस फेस्टिवल में जूरी सदस्य होने के साथ–साथ फिल्म शुभ संगम में भी एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रहा हूं।"

नानी की अपकमिंग फिल्म का फर्स्ट लुक कुछ इस तरह हुआ रिवील

मुंबई। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही फिल्म 'द पैराडाइज' के लिये पांच महीने में विशाल स्लम सेट तैयार किया गया है। नेचुरल स्टार नानी की द पैराडाइज का क्रेज इसके फर्स्ट लुक के सामने आने के साथ ही शुरू हो गया था। इस फिल्म को श्रीकांत ओडेला निर्देशित कर रहे हैं, जिन्होंने दसरा के साथ एक बड़ी सफलता अपने नाम की थी। ऐसे में यह फिल्म अपनी घोषणा के समय से ही भारत की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। यह फिल्म स्टार नानी और श्रीकांत ओडेला की एक और बड़ी कोलैबोरेशन है, जिन्होंने पहले दसरा जैसी ब्लॉकबस्टर दी थी। इस बार भी फिल्म को एक बड़े सिनेमैटिक स्पेक्टेकल की तरह पेश किया जा रहा है। टीम ने इसके लिए एक बेहद विशाल स्लम सेट तैयार किया है, जिसे बनाना अपने आप में चौलेंजिंग काम था। द पैराडाइज के लिए एक

अनोखा सेट बनाने में आर्ट डिपार्टमेंट ने डायरेक्शन टीम, एक्शन टीम और सॉन्ग कोरियोग्राफर्स के साथ मिलकर दिन–रात मेहनत की है। असली चुनौती यह थी कि स्लम को एक बड़े साम्राज्य की तरह दिखाया जाए। वैसे भी स्लम्स को रीक्रिएट करना बेहद चौलेंजिंग होता है, क्योंकि असल जिंदगी में वे खुद–ब–खुद छोटे–छोटे जगहों का हर इंच इस्तेमाल करके बना होता है। इसीलिए, सेट को कई छोटे–छोटे हिस्सों को मिलाकर एक बहुत बड़ा सेटअप बनाना पड़ा। इसके लिए कहानी के डेवलपमेंट के लिए खास जगहों की जरूरत थी, जिसमें बीच में एक बड़ा आर्च भी था, जो पूरे राज्य के महल को दिखाता था। इस काम में बहुत ज़्यादा रिसर्च, मॉक–अप, मॉडल सेट बनाना और आखिर में असली सेट बनाना शामिल था, जिसमें मेकर्स को पांच महीने का लंबा समय लग गया। अभी भी दो और बड़े सेटअप पर काम चल रहा है। द पैराडाइज के प्रोडक्शन डिजाइनर अविनाश कोल्ला ने कहा, 'द पैराडाइज ऐसी फिल्म है जिसमें सेट बनाने के लिए एक बिल्कुल अलग एप्रोच की जरूरत थी। कहानी के मुताबिक हमें एक बहुत बड़ा स्लम बनाना था, जो सिर्फ एक बड़े पैमाने पर बने साम्राज्य को ही न दिखाए बल्कि कहानी के लिए एक अहम लोकेशन भी बने। ये वाकई एक चुनौती थी, जिसके लिए हमने काफी रिसर्च किया और ढेरों आइडियाज पर काम किया जिससे इसे अच्छे से बनाया जा सके।' एसएलवी सिनेमा के सपोर्ट से बनी द पैराडाइज २६ मार्च २०२६ को आठ भाषाओं हिंदी, तेलुगु, तमिल, इंग्लिश, स्पैनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम में दिखाई जाएगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lt; ckt ibZ

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqj'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

C;wjks phQ

eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक